I 5170

लेखपत्र का संक्षिप्त विवरण

1. भूमि का प्रकार - कृषि
   (कृषि/आवासीय/वाणिज्यिक/औधोगिक/अन्य)
2. वार्ड परगना डासना
3. मौहल्ला/ग्राम - सादिकपुर उर्फ काजीपुरा
4- सम्पत्ति का विवरण (सम्पत्ति नम्बर) खाता नं0 15 के खसरा नं0 192,
5- मापन की इकाई (हैक्टेयर/वर्ग मीटर) हैक्टेयर

विक्रय पत्र

3,726,010.00/	**372,601.00**	5,005.00	20	5,025.00	1,000
प्रतिफल	मालियत	फीस रजिस्ट्री	नकल व प्रति शुल्क	योग	शब्द लगभग

श्री /श्रीमती रियल स्टेट डपलपर्स प्रा लि0
पुत्र / पत्नी श्री द्वारा प्रतिनिधि रोश उप्पल पुत्र ब्रजमोहन उप्पल ए-334 शिवालिक

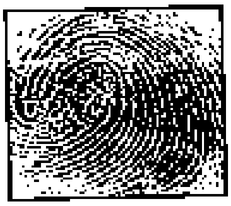

पेशा व्यापार
निवासी स्थायी नई दिल्ली
अस्थायी पता
ने यह लेखपत्र इस कार्यालय दिनांक 1/9/2006 समय 4:27PM
बजे निबन्धन हेतु पेश किया।

के. के. यादव
उप निबन्धक (पंचम)
गाजियाबाद
1/9/2006

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमुन व प्राप्त धनराशि रू. प्रलेखानुसार उक्त

विक्रेता
श्री/श्रीमती कपिल
पुत्र/पत्नी श्री सत्यवीर
पेशा कृषि
निवासी सादिकपुर उर्फ काजी पुरा गा बाद

क्रेता
श्री/श्रीमती रियल स्टेट डपलपर्स प्रा लि0
पुत्र/पत्नी श्री द्वारा प्रतिनिधि रोश उप्पल पुत्र ब्रजमोहन उप्पल ए-334 शिवालिक
पेशा व्यापार
निवासी नई दिल्ली

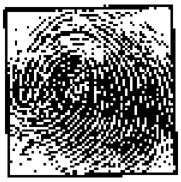

ने निष्पादन स्वीकार किया ।

6- सम्पत्ति का क्षेत्रफल 0.38975 हैक्टेयर

7- सडक की स्थिति (परिशिष्ट के अनुसार) 200 मीटर से अधिक

8- अन्य विवरण (9 मीटर रोड/ कार्नर इत्यादि) N.A

9. सम्पत्ति का प्रकार भूमि कृषि

10. प्रतिफल की धनराशि 37,26,010/-रूपये

जिनकी पहचान श्री प्रदीप
पुत्र श्री किरनपाल
पेशा कृषि
निवासी काजीपुरा गा बाद

व श्री जयचन्द
पुत्र श्री जयपाल
पेशा कृषि
निवासी शाहपुर बम्हैटा

ने की ।

प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिये गये हैं

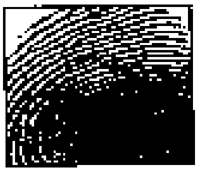

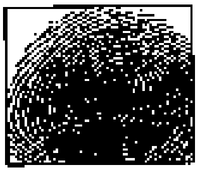

के. के. यादव
उप निबन्धक (पंचम)
गाजियाबाद
1/9/2006

प्रथम पक्ष की संख्या (1) द्वितीय पक्ष की संख्या (1)

विक्रेता

Registration No 5970 Year : 2006 Book No. 1

0101 कपिल

[illegible]

[illegible]

[illegible]

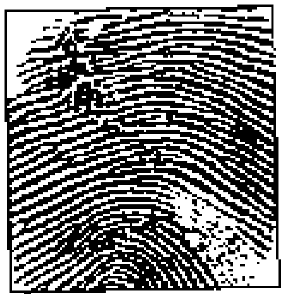

विक्रेता का विवरण:-	क्रेता का विवरण:-
	पाईन रिअल स्टेट डवलपर्स प्रा0लि0
1.नाम ***कपिल***	1. द्वारा राकेश उप्पल
पिता का नाम	पिता का नाम
श्री सत्यवीर	श्री ब्रजमोहन उप्पल
स्थाई पता सादिकपुर उर्फ काजीपुरा	स्थाई पता नई दिल्ली
अस्थाई पता सादिकपुर उर्फ काजीपुरा	अस्थाईपता नई दिल्ली
व्यवसाय	व्यवसाय व्यापार

क्रेता

Registration No. 5970 Year : 2006 Book No. I

0201 रियल स्टेट डवलपर्स प्रा लि0

द्वारा प्रतिनिधि रोश उप्पल पुत्र बजमोहन उप्पल ए-334 शिवालिक

नई दिल्ली

व्यापार

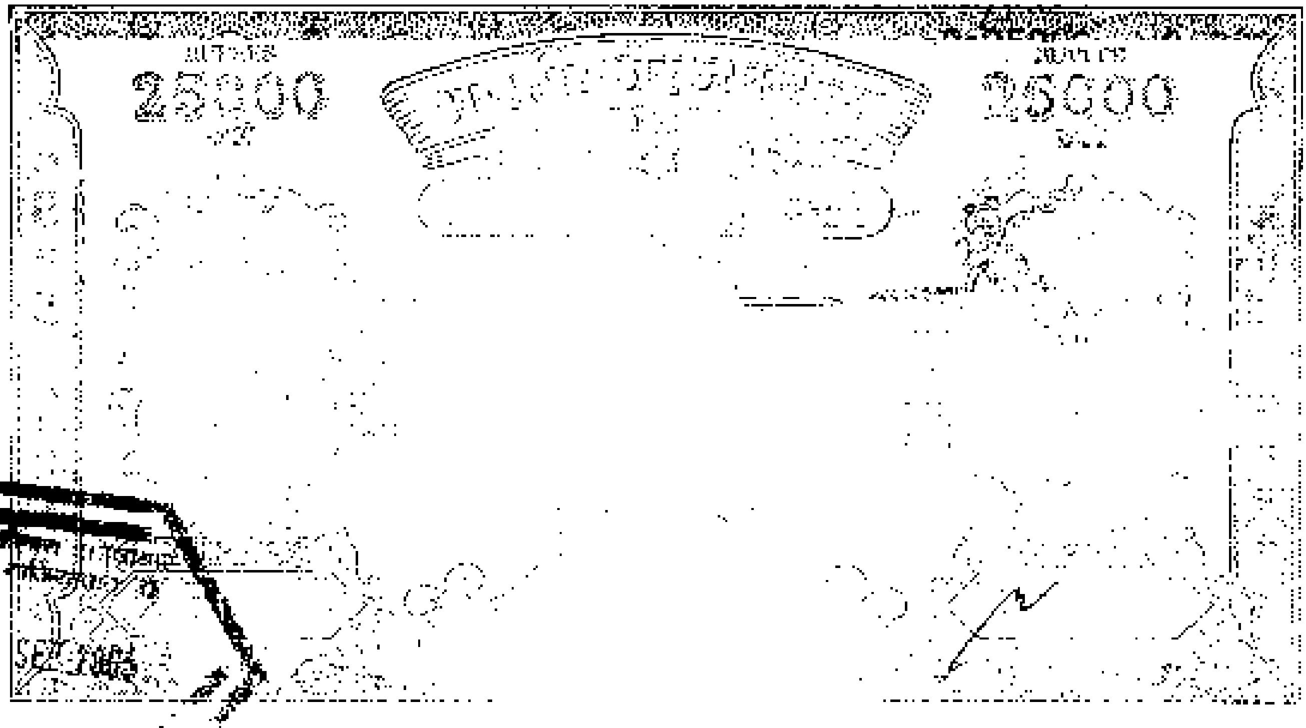

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (5) J64372

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 37,26,010/ रूपये
स्टाम्प पेपर अंकन : 3,72,700/ रूपये

मैं कि **कपिल** पुत्र श्री सत्यवीर निवासी- ग्राम सादिकपुर उर्फ काजीपुरा परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद (फरीक अव्वल, विक्रेता) ।

मैसर्स पाईन रिअल स्टेट डवलपर्स. प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय 33, कम्यूनिटी सैंटर एन.एफ.सी. नई दिल्ली द्वारा श्री राकेश उप्पल पुत्र श्री ब्रजमोहन उप्पल निवासी-ए-334, शिवालीक नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी (फरीक दोयम क्रेता)।

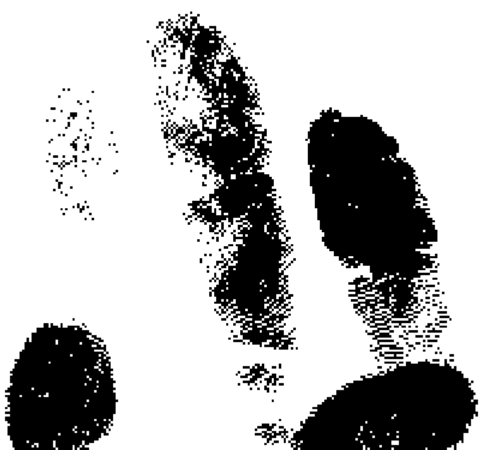

- 1 SEP 200

- 1 SEP 2006

25000
रुपये

25000
रुपये

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (6) J64371

विक्रीत भूमि का विवरण

(1) स्थित ग्राम सादिकपुर उर्फ काजीपुरा परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद (उ0प्र0), कृषि भूमि खाता नं0 15 के खसरा नं0 192 रकबई 1.5590 हैक्टेयर का 1/4 भाग रकबई 0.38975 हैक्टेयर लगानी 43 रूपये 60 पैसे अनुसार खतौनी 1408 ता 1413 फसली जिसके फरीक अव्वल (विक्रेता) पूर्णतया स्वामी व विक्रय अधिकारी, संक्रमणीय भूमिधर दर्ज मालकागजात है, का बैनामा हाजा में विक्रय किया गया। विक्रीत भूमि हम फरीक अव्वल (विक्रेता) की पैतृक भूमि है जिसके हम फरीक अव्वल से पहले हमारे पूर्वज श्री खजान पुत्र स्व0 श्री शादी मालिक थे।

Tejendra Singh
Advocate
Ch. No-297 Civil Court
GHAZIABAD (U.P.)

- 1 SEP 2006
- 1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (7) 164370

(2) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है। जो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नही है। भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा संक्रमणीय भूमिधरी की भूमि है। जिसका सरकारी सर्किल रेट 32,12,475/-रूपये प्रति हैक्टेयर है लेकिन इस विक्रय पत्र मे सर्किल रेट के दोगुने से अधिक रू0 95,60,000/-रूपये प्रति हैक्टेयर की दर से अंकन 37,26,010/-रूपये (सैंतीस लाख छब्बीस हजार दस रूपये मात्र) मूल्य पर सरकारी स्टाम्प अदा किया गया है।

- 1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (8) 164369

(3) विक्रेता अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति से नहीं है। विक्रेता ने श्रीमान् तहसीलदार महोदय से यह प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है कि वह अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति से नहीं है।

क्रम सं.
-1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (9) J64368

(4) विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, वक्फ, पट्टे आदि की भूमि नही है और न ही निष्कान्ति व शत्रु संपत्ति है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद है इस सन्दर्भ मे विक्रेता ने संबन्धित श्री मान् तहसीलदार महोदय से प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है। तथा विक्रीत भूमि किसी भी सरकारी अथवा अर्द्ध सरकारी कार्य हेतू अधिग्रहण के लिये अधिसूचित नही की गयी है।

क्रम सं. ...... स्टाम्प सं. ......

-1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (10) J64367

(5) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय मे स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(1) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है।

- 1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (11))64366

(6) यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि का पूर्व मे मौखिक इकरारनामा भी दोनो पक्षों के बीच हुआ था तथा विक्रय पत्र लिखे जाने की मौखिक सहमति हुयी थी जिसके अनुपालन में वर्तमान विक्रय पत्र का निष्पादन किया जा रहा है। तत्समय विक्रेता (फरीक अव्वल) ने बजरिये कोटेक महिन्द्रा बैंक लि0 शाखा डी-960 फ्रैंडस कालौनी, नई दिल्ली, का चैक नम्बर 000017 दिनांकित 27.05.2006 अंकन 3,72,648/-रूपये (तीन लाख बहात्तर हजार छः सौ अड़तालीस रू0 मात्र) को अग्रिम में प्राप्त कर लिये थे।

-1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (12))164365

(7) विक्रीत भूमि खाता नं0 15 के खसरा नं0 192 रकबई 1.5590 हैक्टेयर का 1/4 भाग रकबई 0.38975 हैक्टेयर, लगानी 43 रूपये 60 पैसे स्थित ग्राम सादिकपुर उर्फ काजीपुरा परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद को आज इस विक्रय पत्र के द्वारा विक्रय किया जा रहा है। अब विक्रित भूमि उक्त में विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण व वारिसान का कोई भाग व कुर्रा शेष नही रहा है।

-1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (13) J64364

(8) विक्रेतागण ने विक्रीत भूमि का प्रमाणित खसरा, खतौनी, व नक्शा व अपना जाति प्रमाण पत्र, पहचान पत्र व विक्रीत भूमि से संबधित बारह साला प्रमाण पत्र भी विक्रय पत्र के साथ संलग्न किया है।

-1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (14) 164363

(9) विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की ओर से हर प्रकार के बन्धक भार व सरकारी देनदारी आदि से मुक्त है कही अन्य जगह आड, रहन, बय, हिबै, महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजी रूप आदि में ग्रस्त नही है।

-1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (15) 164362

(10) विक्रीत भूमि उक्त पर कोई बैक ऋण व बिजली या अन्य किसी प्रकार का डयूज भी नही है। इस विक्रय भूमि से संबंधित किसी भी प्रकार का विवाद-ग्रस्त मामला किसी भी मान्य न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग/कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही लम्बित है। और न ही किसी निर्णीत आदेश का क्रियान्वन ही लम्बित है।

-1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (16) J64361

(11) विक्रीत मिल्कियत उक्त के विक्रय मे कोई दोष व त्रुटि नही है हर प्रकार के वाद विवाद से मुक्त है उपरोक्त वर्णित /उल्लिखित भूमि के संबध मे हम विक्रेता ने किसी अन्य व्यक्ति, कम्पनी आदि के हक मे कोई मौखिक करार, वसीयतनामा व विक्रय अनुबंध-पत्र, विक्रय पत्र, किसी भी कार्यालय में पंजीकृत व अपंजीकृत, पूर्व मे न तो निष्पादित किया है और न ही कराया है तथा न ही नोटरी द्वारा सत्यापित हुआ है। यदि भविष्य मे इस संबध में कोई भी वसीयतनामा, विक्रय अनुबंध/विक्रय पत्र प्रस्तुत करके विवाद उत्पन्न किया जाता है तो वह विवाद अमान्य व निष्प्रभावी होगा। तथा इसके जिम्मेदार फरीक अव्वल व उनके वारिसान होंगे ।

- 1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (17) 164360

(12) हम विक्रेता को विक्रय पत्र मे वर्णित उक्त खाता नं0 15 के खसरा नं0 192 रकबई 1.5590 हैक्टेयर का 1/4 भाग रकबई 0.38975 हैक्टेयर लगानी 43 रूपये 60 पैसे स्थित ग्राम सादिकपुर उर्फ काजीपुरा परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद के अपने हिस्से के पूर्ण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णत: प्राप्त है। हम विक्रेता को वास्ते तरक्की काश्त एंव अन्य निजी आवश्यकता हेतू पैसो की आवश्यकता है तथा मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत क्रेता से मिल रही है। अत: हम विक्रेता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के, बरजामंदी, शुद्व बुद्वि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा मे अपने पारिवारिक सहमति से मय समस्त अधिकार मालिकाना, काबिजाना, दाखिली-खारिजी, काश्त भराई, हर किस्म कब्जा गर्ज के जो कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नही रहा है आदि आदि को आज की

-1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (18) J 643559

तारीख में विक्रय धनराशी अंकन 37,26,010/-रूपये (सैंतीस लाख छब्बीस हजार दस रूपये मात्र) जिसके आधे अंकन 18,63,005/-रूपये (अठारह लाख तिरेसठ हजार पाँच रूपये मात्र) होते है के एवज मे हाथ फरीक दोयम क्रेता उपरोक्त मैसर्स पाईन रिअल स्टेट डवलपर्स प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय 33, कम्यूनिटी सैंटर एन.एफ.सी. नई दिल्ली द्वारा श्री राकेश उप्पल पुत्र श्री ब्रजमोहन उप्पल निवासी-ए-334, शिवालीक नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष को बैय कर दिया है यानि कतई बेच दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशी मुझ विक्रेता ने क्रेता से प्राप्त कर लिया है। अब कुछ भी विक्रय धनराशि बाकी नही रही है।

-1 SEP 2006

भारतीय गैर न्यायिक

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

Rs. 20000 रु. INDIA NON JUDICIAL Rs. 20000 रु.

~1 SEP 2006

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 081222

(13) विक्रय भूमि का कब्जा मौके पर क्रेता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया है जिसके क्रेता पूर्णतः मालिक काबिज दखिल बन गये है उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि को जिस प्रकार चाहे बहैसियत मालकाना प्रयोग मे लावें।

(14) विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात मे बजरिये बैनामा दाखिल खारिज मालकागजात मे कराकर क्रेता का नाम दर्ज करवायेगा या वो स्वयं दर्ज करवा सकते है तथा आवश्यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुझ फरीक अव्वल से करा सकते है, मुझ फरीक अव्वल को कोइ एतराज नही होगा।

-1 SEP 2006

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH A 773644

(15) अतः अब विक्रय पश्चात विक्रीत भूमि की मिलकियत भूमि में निहित हित व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता का, अब कोई संबंध बाकी नही रहा और न कभी रहेगा।

- 1 SEP 2006

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 773645

(21)

(16) विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल/विक्रेता की ओर कोई भार निकला ओर निकला हुआ भार क्रेता या स्थानापन को अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या वारिसान विक्रेता की दावेदारी या किसी कानूनी नुक्स आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा उसका कोइ अंश क्रेता या उसके वारिसान या स्थानापन के कब्जे मालकाना से निकल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल/ विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूपसे जिम्मेदार होंगे तथा क्रेता व उसके स्थानापन व उत्तराधिकारीगणों को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशी को मय हर्जे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता वारिसान की चल व अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते है जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नही होगी।

कुल सं0..............................

-1 SEP 2006

500Rs.

₹ 500

- 1 ... 2006

(33) यह कि फरीक अव्वल ने विक्रीत भूमि के स्वामित्व से संबंधित सभी मूल दस्तावेज(मूल बैनामा पूर्ण श्रखंला ,दान पत्र, वसीयत, मूल पट्टा, व न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति आदि) जो विक्रेता के पास उपलब्ध है, उन्हे क्रेता को सौप दिया है ।

- 1 SEP 2004

भारतीय गैर न्यायिक

पचास रुपये

रु. 50

भारत

INDIA

FIFTY RUPEES

Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 815074

(18) विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने सहन किया है।

(19) अतः यह विक्रय पत्र खूब सोच समझ कर, सुनकर पढ़ कर गवाहों की उपस्थिति में लिख दिया गया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवें।

सुनील कुमार

क्रम सं........
स्टाम्प सं........में अंकित
-1 SEP 2006

भारतीय गैर न्यायिक
भारत
पचास रुपए
FIFTY RUPEES
रु. 50
Rs.50
INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 815073

(20) विक्रेता ने अपने 1/4 भाग की विक्रीत भूमि रकबई 0.38975 हैक्टेयर, लगानी 43 रूपये 60 पैसे खाता नं0 15 के खसरा नं0 192 स्थित ग्राम सादिकपुर उर्फ काजीपुरा परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद के निमित्त निम्न विवरण के अनुसार विक्रय धनराशी प्राप्त कर ली है:-

(अ) बैंक कोटेक महिन्द्रा बैंक लि0 शाखा डी–960 फैंडस कालौनी, नई दिल्ली का चैक नम्बर 000017 दिनांकित 27.05.2006 अंकन 3,72,648/-रूपये (तीन लाख बहात्तर हजार छः सौ अडतालीस रू0 मात्र) फरीक अव्वल द्वारा अग्रिम रूप से प्राप्त कर ली गयी है।

-1 SEP 2006

भारतीय गैर न्यायिक

पचास रुपये रु.50 | FIFTY RUPEES Rs.50

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH C 815072

(25)

(ब) कोटेक महिन्द्रा बैंक लि0 शाखा डी-960 फैंडस कालौनी, नई दिल्ली चैक नं0 000001 दिनांक 30.08.2006 कुल धनराशि रू0 33,53,362/-(तैंतीस लाख तिरेपन हजार तीन सौ बासठ रूपये) फरीक अव्वल द्वारा सम्पूर्ण धनराशि

-1 SEP 2006

भारतीय गैर न्यायिक

पचास रुपये रु. 50 — FIFTY RUPEES Rs.50

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH C 815071

(26)

प्राप्त कर ली गयी है ।

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा) फरीक अव्वल (विक्रेता)

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा) फरीक दोयम (क्रेता)

गवाह नं0 1

गवाह नं0 2

Tejendra
Advocate
Ch. No-297 Civil Court

तहरीर दिनांक : 1.09.2006 मसौदाकर्ता ... एडवोकेट गाजियाबाद ।

क्रम सं. ... स्टाम्प सं. ... में अंकित

-1 SEP 2006

आज दिनांक **01/09/2006** को

वही सं **1** जिल्द सं **1601**

पृष्ठ सं **27** से **53** पर क्रमांक **5970**

रजिस्ट्रीकृत किया गया।

के. के. यादव

उप निबन्धक (पंचम)

गाजियाबाद

1/9/2006

उद्धरण खतौनी

ग्राम क्रमांक : 16010210112 ग्राम का नाम : सादिकपुर/काजीपुरा परगना : डासना तहसील : गाजियाबाद

जनपद : गाजियाबाद फसली वर्ष : 1414-1419 भाग : 1

खाता खतौनी का संख्या	खातेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	मौरूसिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खाते के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (हे.)	खातेदार द्वारा देय मालगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञा या उसका सारांश उनकी संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
2				3	4	5	6	7-12	13
श्रेणी : 1-क भूमिधर जो संक्रमणीय भूमिधरी के अधिकार से हो।									
00015	खजान	शब्दी	ग्रामवासी	पू.1385 पू.1385 पू.1385	132 134 192	1.4830 0.4910 1.5590		न्यायालय सहसीलदार न्यायिक गाजियाबाद वाद सं0 60/451 धारा 34 भू0रा0अधि0 अमित आदि बनाम खजान आदेश दि0 28-1-06 में आदेश हुआ कि खाता सं0 15 पर अंकित खातेदार खजान पुत्र शब्दी का नाम निरस्त करके पंजी. वसीयत दि0 2-3-96 के आधार पर खसं0192 के रकबा 6-3-0 ख0सं0 132/5-17-4 ख0सं0 134/1-18-15 कुल तीनों खसरा संख्या प्रदर्शित रकबा 1/2 भाग पर मलखान पुत्र खजान व शेष 1/2 भाग पर अमित व कपिल पुत्रगण सतवीर निवासीगण स्थानीय का नाम बतौर वारिस दर्ज हो। ह0ए0आर0के0/28-1-06 आदेशानुसार श्रीमान ना0तह0महो0मि0न0 175/ 11.12.2006 को आदेश हुआ कि खाता सं 15 के खसरा नं0 192मि0रकबा 1.5590है0 मा0गु0 27.00 पैसे से विक्रेता मलखान सिंह पुत्र खजान सिंह निवासी ग्राम सादिकपुर काजीपुरा प0डासना तह0 व जिला गा0बाद का नाम बक्दर भाग से खारिज करके क्रेता मै0 उप्पल चड्ढा हाईटेक डेवलपर्स प्रा0लि0 द्वारा राकेश उप्पल पुत्र मनमोहन उप्पल निवासी ए-334 शिवालिक नई दिल्ली का नाम बतौर बैनामा दर्ज होवे। ह0ए0आर0के0 आदेशानुसार श्रीमान ना0तह0महो0मि0न0 179/11.12.2006 को आदेश हुआ कि खातासं 15 के खसरा नं0192रकबा 1.5590है0 मा0गु0 43.65 पैसे से	

ग्राम क्रमांक : 16010210112 ग्राम का नाम : सादिकपुर/काजीपुरा परगना : डासना तहसील : गाजियाबाद

जनपद : गाजियाबाद फसली वर्ष : 1414-1419 भाग : 1

खाता खतौनी क्रम संख्या	खातेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	भौमिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खाते के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (हे.)	खातेदार द्वारा देय मालगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञा या उसका सारांश उनकी संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
1	2			3	4	5	6	7-12	13
								विक्रेता अमित पुत्र सत्यवीर निवासी ग्राम सादिकपुर काजीपुरा का नाम बकदर भाग से खारिज करके क्रेता मै0 पाईन रियल एस्टेट प्रा0लि0 33कम्यूनिटि सेन्टर एन0एफ0सी0 नई दिल्ली द्वारा राकेश उपल पुत्र बजमोहन उपल निवासी ए-334 शिवालिक नई दिल्ली का नाम बतौर बैनामा दर्ज होवे ह0ए0आर0के0 आदेशानुसार श्रीमान ना0तह0महो0मि0न0 180/11.12.2006 को आदेश हुआ कि खाता सं 15 के खसरा नं0 134 रकबा 0.4910हे0 मा0गु0 24.25 पैसे सक विक्रेता अमित व कपिल पुत्र सत्यवीर निवासी सादिकपुर काजीपुरा का नाम बकदर भाग से खारिज करके क्रेता मै0 एन्जेलिका प्रमोटर्स प्रा0लि0 33 कम्यूनिटि सेन्टर एन0एफ0सी0 नई दिल्ली द्वारा राकेश उपल पुत्र ब्रजमोहन उपल निवासी ए-334 शिवालिक नई दिल्ली का नाम बतौर बैनामा दर्ज होवे। ह0ए0आर0के0 आदेशानुसार श्रीमान ना0तह0महो0मि0न0 181/11.12.2006 को आदेश हुआ कि खाता सं 15 के खसरा नं0 192 रकबा 1.5590हे0 मा0गु0 43.65 पैसे से विक्रेता कपिल पुत्र सत्यवीर सिंह निवासी ग्राम सादिकपुर काजीपुर का नाम खारिज करके क्रेता मै0 पाईन रियल एस्टेट डवलपर्स प्रा0लि0 33 कम्यूनिटि सेन्टर एन0एफ0सी0 नई दिल्ली द्वारा राकेश उपल पुत्र ब्रजमोहन उपल निवासी ए-334 शिवालिक नई दिल्ली का नाम बतौर बैनामा दर्ज होवे। ह0ए0आर0के0	

25/01/2007

ग्राम कोड : 16010210112 ग्राम का नाम : सादिकपुर/काजीपुरा परगना : डासना तहसील : गाजियाबाद

जनपद : गाजियाबाद फसली वर्ष : 1414-1419 भाग : 1

खाता खतौनी क्रम संख्या	खातेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	भौमिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खाते के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (है.)	खातेदार द्वारा देय मालगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञा या उसका सारांश उनकी संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
1	2			3	4	5	6	7-12	13
					कुल गाटे : 3	कुल क्षे : 3.5330	174.50		

हस्ताक्षर

लेखपाल